Naidunia

50 लाख उम्मीदवारों से घबराया व्यापमं, शिक्षकों की भर्ती अटकी

पंकज तिवारी, जबलपुर। तीन साल से अटकी संविदा शिक्षकों की भर्ती इस साल भी नहीं होगी। प्रदेश के स्कूलों में 41 हजार शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। लेकिन भर्ती में 50 लाख से ज्यादा आवेदकों के शामिल होने के डर से ही प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड(पीईबी) (पूर्व नाम व्यापमं) भर्ती नहीं निकाल रहा है। इसका कारण है कि उसे ऑनलाइन परीक्षा लेना है और सरकार के लिए इतनी बड़ी संख्या में कंप्यूटर व अन्य साधन जुटाना संभव नहीं है। सिर्फ इसी वजह से दो बार से संविदा शिक्षकों की भर्ती की तारीख टलती जा रही है। संविदा शिक्षक वर्ग एक, दो और तीन के पदों पर भर्ती होना है। आवेदकों को हर साल भर्ती की आस है लेकिन पिछले दो सालों से लगातार निराश होना पड़ रहा है। कई उम्मीदवार तो इंतजार में ही आवेदन की आयु सीमा को पार कर गए।

कम्प्यूटर ही नहीं

संविदा शिक्षक भर्ती ऑनलाइन होनी है। शिक्षा विभाग ने पीईबी को भर्ती के लिए जवाबदारी दी है। संभावित तारीख भी तय हुई लेकिन परीक्षा नहीं हुई। व्यापमं के पास ऑनलाइन एग्जाम करवाने के लिए इतना बड़ा सेटअप ही नहीं है।

फैक्ट फाइल

- वर्ष 2015 में संविदा शिक्षकों की भर्ती कराने की तैयारी।

-वर्ष 2016 में फिर व्यापमं के परीक्षा कैलेंडर में शामिल हुआ।

- वर्ष 2017 की संभावित परीक्षाओं में इसे दोबारा शामिल कर लिया है।

ये रखी संभावित तारीख-

- संविदा शिक्षक वर्ग-1 पात्रता परीक्षा : 19 नवंबर

- संविदा शिक्षक वर्ग-2 भर्ती परीक्षा : 3 दिसंबर

- संविदा शिक्षक वर्ग-3 पात्रता परीक्षा : 24 दिसंबर

डीएड कोर्स की डिमांड बढ़ी

संविदा वर्ग तीन में डिप्लोमा इन एजुकेशन (डीएड) अनिवार्य है। इसमें रिक्त पदों की संख्या भी अधिक होती है। नौकरी की चाह में बीएड, एमएड के बाद छात्र वापस डीएड कोर्स कर रहे हैं। सीमित सीट होने की वजह से निजी कॉलेज भी इस मौके को खूब भुना रहे है। सरकारी कॉलेज से डीएड फीस लगभग 5 हजार है, वहीं निजी कॉलेज संचालक 1.25 लाख रुपये तक वसूल रहे हैं। यही हाल बीएड और एमएड में है।

ऑनलाइन एग्जाम की तैयारी करवानी है। पहले शिक्षा विभाग से कोई जानकारी स्पष्ट नहीं होने के कारण एग्जाम नहीं हो सका। इस बार हम तैयारी कर रहे हैं। विभाग से निर्देश मिलते ही परीक्षा करवाई जाएगी। आवेदकों की संख्या तो अधिक होगी। **आलोक चौबे, परीक्षा नियंत्रक, पीईबी**

संविदा शिक्षकों की भर्ती परीक्षा ऑनलाइन होनी है। 50 लाख से ज्यादा उम्मीदवार आने का अनुमान है। इतने ज्यादा आवेदकों का ऑनलाइन एग्जाम करवाने की व्यवस्था नहीं होने से मामला टला। अभी विभाग से कुछ भी तय नहीं हुआ है। **दीपक जोशी, स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री मप्र शासन**